जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय
ग्राम – मदाऊ पोस्ट– भॉकरोटा , जयपुर (राज.)
श्री अग्रदेवाचार्यजी ग्रन्थागार

परिचयः–

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय केन्द्रीय पुस्तकालय की स्थापना माह फरवरी 2006 में परिसर स्थित श्री अग्रदेवाचार्यजी ग्रन्थागार नवीन भवन में स्थापित किया गया। इस केन्द्रीय पुस्तकालय के संस्थापक पुस्तकालयाध्यक्ष के रूप में श्री सोहनलाल यादव को नियुक्त किया गया जो वर्तमान में सहा. पुस्तकालयाध्यक्ष के पद पर कार्यरत है।

उदेश्य :– सम्पूर्ण संस्कृत वाङ.मय के अध्ययन अध्यापन के साथ–साथ इसमें निहित ज्ञान विज्ञान को विशेषज्ञीय अनुसंधान द्वारा प्रकाश में लाने तथा संस्कृत शिक्षा को एक नई दिशा प्रदान करने के उदेश्य से इस केन्द्रीय पुस्तकालय की स्थापना की गई।

संग्रहः– श्री अग्रदेवाचार्यजी ग्रन्थागार , संस्कृत के बहुमूल्य ग्रन्थों,, सन्दर्भ पुस्तकों, सामान्य पुस्तकों तथा संस्कृत पत्र पत्रिकाओं का अपने आप में एक समृद्ध पुस्तकालय है। संस्कृत वाङ.मय, वेद, धर्मशास्त्र, पुराण, साहित्य, ज्योतिष, व्याकरण, दर्शन, कम्प्यूटर आदि विषयों की पुस्तकों का संग्रह है। इसके अलावा हस्तलिखित ग्रन्थ सूचियॉ भी संग्रहित है। संस्कृत के क्षेत्र कार्यरत 50 से अधिक अकादमियों, शोध संस्थानों, विश्वविद्यालयों द्वारा प्रकाशित ग्रन्थों का विशेष संग्रह भी उपलब्ध है। सितम्बर 2011 तक पुस्तकालय में उपलब्ध संग्रह निम्नानुसार हैं:–

1. सामान्य,सन्दर्भ एवं पाठ्य पुस्तकें – 32,215
2. संस्कृत शोध तथा सामान्य पत्र पत्रिकाएँ एवं मुख पत्र – 80
3. शोध प्रबन्ध (Ph.D.Thesis) – 17
4. लघु शोध प्रबन्ध (M.Phil.) – 75
5. लघु शोध प्रबन्ध (M.Ed.) – 110
6. ई–बुक्स (सीडी., डीवीडी, कैसेट) – 215

पुस्तकों का व्यवस्थापन :– पुस्तकालय में पुस्तकों को विषयवार, द्विबिन्दु वर्गीकरण पद्धति के अनुसार वर्गीकृत कर व्यवस्थापन किया जा रहा है।

ग्रंथालय स्वचालन :– संग्रहीत ग्रन्थों का एन.आई.सी द्वारा विकसित ई–ग्रन्थालय सॉफ्टवेयर (3.0) में डेटाबेस तैयार किया जा रहा है। लगभग 11,883 पुस्तकों का डेटाबेस तैयार हो गया है जिससे पाठक OPAC पर पुस्तकों के लेखक, पुस्तकशीर्षक, प्रकाशक, विषय तथा की–वर्ड की सहायता लेकर अपनी पुस्तकें खोज सकते है। पाठकों को पुस्तकों का आगम–निर्गम कम्प्यूटर द्वारा किया जा रहा है।

पुस्तकालय सेवाऐं –

1. परिसंचरण सेवा (Circulation Service)
2. सन्दर्भ सेवा (Reference Service)
3. वाङ.मय सवो (Bibliography Service)

4. अन्तःपुस्तकालय ऋण सेवा (Inter Library Loan Service)

पुस्तकालय समय :– प्रातः 10.00 से सायं 5.00

पुस्तकालय सदस्यता :– अधोलिखित व्यक्ति विश्वविद्यालय पुस्तकालय के सदस्य बन सकते है –

1. कार्यपरिषद, विद्या परिषद, कुलसचिव द्वारा गठित पुस्तकालय समिति सदस्य एवं संकाय सदस्य।
2. विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी / कर्मचारी वर्ग,
3. शास्त्री / आचार्य / शिक्षाशास्त्री / शिक्षाचार्य के विद्यार्थियों के साथ–साथ विद्यानिधि एवं अनुसंधान एसोसियेट / स्कॉलर छात्रों को उनके विभागों के प्रमुखों की सिफारिश पर ।
4. सदस्यों को पुस्तकालय में पुस्तक आदान–प्रदान निम्नानुसार होगा–

क्र.सं.	सदस्यता का प्रकार	पुस्तकों की संख्या	पुस्तकों के उपयोग की अवधि
1.	शास्त्री / आचार्य, छात्र / छात्रा	02	15 दिवस
2.	विद्यानिधि	03	01 माह
3.	पंजीकृत अनुसंधान स्कॉलर (पी.एच.डी.)	03	01 माह
4.	शिक्षकगण, आचार्य, सह.आचार्य, सहा.आचार्य एवं अधिकारी गण	20	अकादमिक सत्र के लिए
5.	स्टॉफ (मंत्रालयिक / अधीनस्थ / च.श्रे.क.)	05	01 माह
6.	अन्य सदस्य	02	15 दिवस
7.	अन्तः पुस्तकालय आदान–प्रदान	02	07 दिवस

विलम्ब शुल्क :– छात्रों द्वारा निश्चित अवधि के पश्चात् पुस्तक लौटाने पर प्रति पुस्तक 0.50 रू. प्रति दिन की दर से विलम्ब शुल्क देय होगा।

वाचनालय व्यवस्था :– वाचनालय में लगभग 150 पाठकों के बैठने की व्यवस्था उपलब्ध है। शोधार्थियों के लिए 20 शोध कैबिन भी उपलब्ध है।